यूरोप का डिजिटल यूरो

[स्रोत: द हिंदू](#)

यूरोपीय **सेंट्रल बैंक (ECB) ने डिजिटल यूरो को** एक नई [सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (CBDC)](#) के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसे यूरोप में भुगतान परिदृश्य को आधुनिक बनाने के लिये डिज़ाइन किया गया है।

- डिजिटल यूरो का उद्देश्य **मध्यस्थ बैंकों या गेटवे के बिना प्रत्यक्ष भुगतान की सुविधा प्रदान करना है।** यह नकदी के डिजिटल संस्करण के रूप में कार्य करने के साथ **नकदी के समान गुमनामी** के स्तर को बनाए रखते हुए **ऑफलाइन भी पीयर-टू-पीयर लेन-देन** को सक्षम बनाने में सहायक है।
- ECB द्वारा प्रत्यक्ष रूप से जारी की गई CBDC को **लेन-देन लागत को कम करने के लिये डिज़ाइन किया गया है,** जिसमें **माइक्रो-भुगतान भी शामिल है,** जो वर्तमान में पारंपरिक बैंकों के लिये महँगा है।
- ECB द्वारा डिजिटल यूरो को **गैर-यूरोपीय भुगतान प्रदाताओं के प्रति संतुलन तथा** वैश्विक प्रतिस्पर्द्धियों (विशेष रूप से अमेरिकी कंपनियों) के खिलाफ **यूरोप की डिजिटल संप्रभुता को** मज़बूत करने के उपकरण के रूप में देखा जा रहा है।
- [भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)](#) ने वर्ष 2022 में CBDC के रूप में **डिजिटल रुपया (e₹)** लॉन्च किया था।
    - **CBDC कागजी मुद्रा** का एक डिजिटल रूप है और नियामक शून्यता में संचालित **क्रिप्टोकरेंसी** के विपरीत, ये केंद्रीय बैंक द्वारा जारी एवं समर्थित कानूनी निविदाएँ हैं।

//

डिजिटल रुपया

- भारतीय रुपये का एक डिजिटल संस्करण।
- ई-रुपये के रूप में भी जाना जाता है, सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (CBDC)।
- निजी स्वामित्व वाली क्रिप्टो के विपरीत एक केंद्रीय स्वामित्व वाली डिजिटल मुद्रा।
- ऑफलाइन कार्यक्षमता प्रस्तावित-कोई भी इंटरनेट के बिना लेनदेन कर सकता है।

दस देशों ने CBDC की शुरुआत कर दी है जिनमें सबसे पहला है वर्ष 2020 में बहामियन सैंड डॉलर तथा सबसे नवीनतम है जमैका का JAM&DEX।

लाभ

- वित्तीय प्रणाली में न्यूनतम व्यवधान।
- **जोखिम से मुक्त:** क्रिप्टो के साथ देखे गए जोखिमों के विपरीत यह लोगों को डिजिटल रूप में मुद्रा में लेनदेन का अनुभव प्रदान करता है,
- **यथोचित अनामिता:** भौतिक नकदी के समान छोटे मूल्य के लेनदेन के लिये यथोचित अनामिता प्रदान करता है

ई-रुपये का क्रियान्वयन

- **CBDC-खुदरा मोड:** यह संभावित रूप से सभी के उपयोग के लिये उपलब्ध होगा जिसे CBDC-R भी कहा जाता है।
  - यह नागरिकों के लिये डिजिटल भुगतान के सुरक्षित साधन की पेशकश कर सकता है।
  - यह संभवत: नकदी के समान, टोकन-आधारित हो सकता है।

- **CBDC-थोक मोड:** चुनिंदा वित्तीय निकायों तक सीमित पहुँच के लिये, जिसे CBDC-W भी कहा जाता है।
  - निपटान प्रणालियों को अधिक कुशल और सुरक्षित बनाने का लक्ष्य।
  - यह खाता-आधारित हो सकता है।

मुद्दे

- साइबर सुरक्षा
- गोपनीयता और डेटा उपयोग का मुद्दा
- डिजिटल अंतराल
- अन्य बाजार के प्रतिस्पर्धियों जैसे वीजा, मास्टरकार्ड आदि की तुलना में अप्रतिस्पर्धी कदम।

और पढ़ें: सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/europe-s-digital-euro